

प्रेषक,

डा० राकेश कुमार,  
सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
विद्यालयी शिक्षा,  
उत्तराखण्ड, देहरादून।

माध्यमिक शिक्षा अनुभाग-3

देहरादून दिनांक: 26 दिसम्बर, 2008

विषय: श्री अशोक कुमार पन्त वरिष्ठ प्रवक्ता, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान डीडीहाट के उपचार हेतु अग्रिम धनराशि हेतु पुनर्विनियोग का प्रस्ताव।

महोदया,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्रांक: अर्थ-1/39800/5क(14)/(01)/2008-09 दिनांक: 23 दिसम्बर, 2008 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 में श्री अशोक कुमार पन्त वरिष्ठ प्रवक्ता, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान डीडीहाट को प्रदेश बाहर इन्द्रप्रस्थ अपोलो हारिपटल, नई दिल्ली में लीवर प्रत्यारोपण के उपचार हेतु चिकित्सकों द्वारा दिये गये अनुमानित व्यय प्राक्कलन रु० 18,50,000.00 के सापेक्ष रु० 10,000.00 (रु० दस लाख मात्र) में से रु० 73000/- उक्त हेतु किये गये बजट प्राविधान के सापेक्ष तथा शेष रु० 9,27,000/- की धनराशि पुनर्विनियोग के माध्यम से संलग्न बी०एम०-15 के अनुसार स्वीकृत करते हुए उक्त धनराशि को वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 भाग-1 के नियम-249 के अन्तर्गत छूट प्रदान करते हुए अग्रिम के रूप में आहरित करने की सहर्ष स्वीकृति निम्नलिखित प्रतिबन्धों के अधीन प्रदान करते हैं:-

1. चिकित्सा परिचर्या संबंधी प्राविधानों के अनुसार प्रदेश के बाहर विशेषज्ञ चिकित्सा के लिये अनुमोदित चिकित्सा संस्थानों में अनुमन्य व्यय के अनुसार प्रतिपूर्ति अनुमन्य होगी तथा अग्रिम का समयोजन यथा समय तदनुसार किया जायेगा।
  2. चिकित्सा परिचर्या संबंधी प्राविधानों के अनुसार अन्य आवश्यकताओं तथा Procedural formalities की पूर्ति कर ली जायेगी। इस प्रकरण को अन्य प्रकरणों हेतु उदाहरण नहीं माना जायेगा।
  3. उक्त अग्रिम के रूप में स्वीकृत की जा रही धनराशि रु० 10.00 लाख (रु० दस लाख मात्र) का समायोजन अग्रिम स्वीकृत होने की तिथि से तीन माह के अन्दर अथवा निरन्तर उपचार चलते रहने की दशा में उपचार समिति के तीन माह के अन्दर, जो भी पहले हो, उसके समायोजन हेतु प्रतिपूर्ति का दावा प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। जब तक एक अग्रिम का समायोजन नहीं हो जाता है तब तक दूसरा अग्रिम किसी भी दशा में स्वीकृत नहीं किया जायेगा।
  4. अग्रिम के बिल पर आहरण वितरण अधिकारी द्वारा यह प्रमाण-पत्र अंकित किया जाना आवश्यक होगा कि स्वीकृत अग्रिम की प्रविष्टि, अग्रिम के निर्धारित रजिस्ट्रर में कर ली गई है।
2. वर्तमान में श्री पन्त की चिकित्सा अग्रिम हेतु पूर्व निर्गत शासनादेश संख्या: 907/XXIV-2/08/08/04(26)/2008 दिनांक 22.10.2008 निरस्त किया जाता है।
3. इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 के आय-व्यय में अनुदान संख्या-11 के अधीन लेखा शीर्षक-2202-समान्य शिक्षा-02-माध्यमिक शिक्षा के अधीन संलग्न बी०एम०-15 में उल्लिखित संबंधित ब्यौरेवार शीर्षक/सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामे डाला जायेगा।

3- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या: 575(P)/XXVI(3)/08-09 दिनांक 26 दिसम्बर 2008 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।  
संलग्न: बी0एम0-15

भवदीय,


(डा० राकेश कुमार)  
सचिव।

पृष्ठांकन संख्या: 2307(1)/XXIV-3/08/02(93)200 तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2- निजी सचिव, मा० मुख्य मंत्री जी।
- 3- निजी सचिव, मा० शिक्षा मंत्री जी।
- 4- निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
- 5- मण्डलायुक्त, कुमायूँ मण्डल- नैनीताल।
- 6- मण्डलीय अपर शिक्षा निदेशक, कुमायूँ मण्डल-नैनीताल।
- 7- जिलाधिकारी, पिथौरागढ़।
- 8- कोषाधिकारी, पिथौरागढ़।
- 9- जिला शिक्षा अधिकारी, पिथौरागढ़।
- 10- वित्त आयोग निदेशालय, उत्तराखण्ड शासन।
- 11- बजट, राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, सचिवालय।
- 12- वित्त अनुभाग-3/कम्प्यूटर सेल (वित्त विभाग), उत्तराखण्ड सचिवालय।
- 13- एन०आई०सी० सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 14- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

  
(जी०पी० तिवारी)  
अनु सचिव।

नियंत्रक अधिकारी-सचिव विद्यालयी शिक्षा

(परा-156)

प्रशासकीय विभाग- माध्यमिक शिक्षा


वित्तीय वर्ष 2008-09 अनुदान संख्या-11

आयोजनागत

धनराशि (हजार रुपये में)

बजट प्राविधान तथा लेखा शीर्षक का विवरण	मानक मदवार अध्यावधि व्यय	वित्तीय वर्ष के शेष अवधि में अनुमानित व्यय	अवशेष (सरप्लस धनराशि)	लेखाशीर्षक जिसमें धनराशि स्थानान्तरित किया जाना है तथा स्थानान्तरित धनराशि	पुनर्विनिय के बाद स्तम्भ 5 की कुल धनराशि	पुनर्विनियोग के बाद अवशेष धनराशि (स्तम्भ 1 में)	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5	6	7	8
2202-सामान्य शिक्षा				2202-सामान्य शिक्षा			बेसिक शिक्षा निदेशालय संचालित न होने, ख०शि०अ० कार्यालयों में टेलीफोन मद में आवश्यकता न होने के कारण बचत है। जबकि शासनादेश द्वारा प्राप्ता अनुमति के अनुसार चिकित्सा प्रतिपूर्ति हेतु अग्रिम धनराशि की आवश्यकता है।
01-प्रारम्भिक शिक्षा				80-सामान्य			
001-निर्देशन तथा प्रशासन				003-प्रशिक्षण			
03-निदेशालय का अधिष्ठान				01-केंद्रीय आयोजनागत/केंद्र द्वारा पुरोनिर्धारित			
01-वेतन	350	0	0	0191-शि०शि० एवं प्रशि० संस्थान(100 प्रति केंद्र पोषित)		1	
03-महंगाई भत्ता	263	0	0	27-चिकित्सा व्यय प्रतिपूर्ति	927	1027	
04-यात्रा भत्ता	20	0	0	20		0	
05-स्थानान्तरण यात्रा व्यय	50	0	0	50		0	
06-अन्य भत्ते	70	0	0	70		0	
48-महंगाई भत्ते	175	0	0	175		0	
सम्पूर्ण योग	928	0	0	928	927	1027	1

प्रमाणित किया जाता है कि पुनर्विनियोग से बजट मैन्युवल के परिच्छेद 150,151,155,156 का उलंघन नहीं होता है।

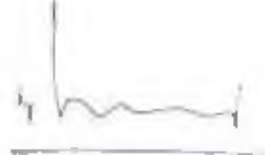
  
(जी०पी०तिवारी)  
अनु सचिव।



उत्तराखण्ड शासन  
वित्त अनुभाग-3

संख्या: 575(P)/वित्त(व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3/2008  
देहरादून: दिनांक: 26 दिसम्बर, 2008

पुनर्विनियोग स्वीकृत



(रमेश चन्द्र शर्मा)  
संयुक्त सचिव।

सेवा में,

महालेखाकार,  
(लेखा एवं हकदारी)  
उत्तराखण्ड, देहरादून।

संख्या 2307(1)/XXIV-3/08/02(93)200 तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित—

1. निदेशक, विद्यालयी शिक्षा, उत्तराखण्ड।
2. कौषाधिकारी, पिथौरागढ़।
3. वित्त अनुभाग-3, उत्तराखण्ड शासन।
4. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,



(जी०पी०तिवारी)  
अनु सचिव।